"अधिगम"

अर्थ:- व्यवहार में होने वाला वांछित व स्थाई परिवर्तन अधिगम है।

Imp. (1) वुडवर्थ के अनुसार:- "सीखना विकास की प्रक्रिया है।"

गिलफर्ड- "व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन अधिगम है।"

V.V. Imp.

गेट्स व अन्य- "प्रशिक्षण व अनुभव द्वारा व्यवहार में आया परिवर्तन अधिगम है।"

क्रो एण्ड क्रो:- आदत, ज्ञान, व अभिवृत्तियों का अर्जन करना ही अधिगम है।"

स्कीनर- "व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया ही अधिगम है

गिलगार्ड- नवीन परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको अनुकूलित कर लेना ही अधिगम है।

मॉर्गन व किंग -"अभ्यास तथा अनुभूति के परिणामस्वरूप व्यवहार में होने वाला स्थाई परिवर्तन अधिगम है।"

पील- "व्यक्ति में परिवर्तन ही अधिगम है।" जो वातावरण के अनुसरण में होता है।"

(1) अधिगम के सोपान

(i) आवश्यकता/ अभिप्रेरणा / प्रेरक

↓

(ii) लक्ष्य / उद्देश्य

↓

(iii) बाधा व तत्परता

(iv) अधिगम स्थिति / वातावरण
↓
(v) अनुक्रिया
↓
(vi) समायोजन
↓
(vii) व्यवहार में परिवर्तन

(viii) व्यवहार में स्थाई परिवर्तन

अधिगम की प्रकृति / विशेषतायें :-

(1) अधिगम एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है।

(2) अधिगम व्यवहार में वांछित परिवर्तन है

(3) अधिगम सार्वभौमिक है। (कहीं भी सीखा जा सकता है)

(4) अधिगम व्यक्तिगत व सामाजिक प्रक्रिया है

(5) सीखना सकारात्मक व नकारात्मक दोनों है।

(6) सीखना एक समायोजन है। (लम्बी क्लासों में बोरिंग नहीं होना)

(7) सीखना उद्देश्यपूर्ण है।

(8) सीखना ज्ञानात्मक, भावात्मक और क्रियात्मक प्रक्रिया है।

(9) अधिगम समस्या समाधान तथा आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली प्रक्रिया है

(10) सीखना उद्दीपक-अनुक्रिया में सम्बन्ध स्थापित करने की प्रक्रिया है

(11) अधिगम एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया है।

(12) अधिगम अनुभव द्वारा अर्थ निर्माण की प्रक्रिया है।

(13) अधिगम एक सक्रिय व रचनात्मक प्रक्रिया है।

(14) अधिगम एक प्रक्रिया है परिमाण नही।

(15) अधिगम स्थानान्तरण की प्रक्रिया है।

(16) अधिगम अनुभव का संगठन है।

अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक :-

(A) व्यक्तिगत कारक :-

(1) अभिप्रेरणा - (सर्वाधिक प्रभावित करने वाला कारक)

(2) इच्छाशक्ति (Will power)

(3) आयु तथा परिपक्वता

विशेष :- परिपक्वता से व्यवहार में स्थाई परिवर्तन नहीं होता अस्थाई होता है- क्योंकि परिपक्वता जन्मजात है जो निर्धारित समय तक चलती है।
- इस पर अभिप्रेरणा व अभ्यास का प्रभाव नहीं पड़ता।

(4) शारीरिक व मानसिक स्वास्थ

(5) रुचि, ध्यान, थकान, संवेदना, प्रत्यक्षीकरण

(B) अध्यापक सम्बन्धी कारक

(1) विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण (सर्वाधिक प्रभाविक)

(2) विषयवस्तु में निपुणता (Command)

(3) शिक्षक का मानसिक स्वास्थ व नेतृत्व

(4) शिक्षण विधियाँ

(C) वातावरणीय कारक

(1) भौतिक वातावरण (ठण्डी जलवायु में अधिक अधिगम होता है।

(2) सामाजिक वातावरण (परिवार, विद्यालय, समूह, सिनेमा, साहित्य

(3) साँस्कृतिक वातावरण (रीतिरिवाज, अन्धविश्वास, भाग्यवादी सोच)

(D) कार्य सम्बन्धी कारक

(1) कार्य की लम्बाई, उपयोगिता, रोचकता, कार्य की कठिनाई और समानता (जुड़ा हुआ होना आपस में)